

माहिती व जनसंपर्क महासंचालकालय, महाद्वारध शाख

नवभारत टाइम्स • विचार

नवभारत टाइम्स | मुंबई | मंगलवार, 6 जनवरी 2026

जब अन्याय कानून बन जाए, तो प्रतिरोध करना कर्तव्य बन जाता है।
 थॉमस जेफरसन, अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति

बेलगाम अमेरिका

दुनियाभर में दर्जनों संघर्ष रक्तानो के रैकडों दावे कर चुके अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप खुद ही वैश्विक तनाव को बढ़ाकर रहे हैं। वेनेजुएला के बाद अफिरका की ओर से ग्रीनलैंड को लेकर जो मेरेंव आया है, वह दुनिया की शांति और स्थिरता के लिए खतरा है। इससे ते अंतरराष्ट्रीय कानून, कूटन चर और देशों की संरचना का कोई मतलब नहीं रह जाएगा।

कड़ी प्रतिश्रिया । ट्रंप प्रशासन में डिप्टी चीफ ऑफ स्टॉफ टोमिया मिलर की पत्नी केटी मिलर ने एक तस्वीर पोस्ट की, जिसमें ग्रीनलैंड को अफिरकाई इंडे में दिखाया गया है। इसके साथ लिखा था - जस्टा। टोमिया को ट्रंप के चलेने लोगों में गिन जाना है, जबकि केटी खुद भी ट्रंप के पहले कार्यकाल में महत्वपूर्ण भूमिकाओं में रह चुकी हैं। ऐसे में उनके ट्रवीट पर डेम्पक और ग्रीनलैंड की तरफ से स्वागतिक हो कड़ी प्रतिश्रिया आई।

कठौती का उल्लंघन । विंगडम ऑफ डेनमार्क के तहत आने वाले ग्रीनलैंड को लेकर ट्रंप की महत्वकांक्षा पुनर्ने है। वह कई पीछों पर खुलेआम कह चुके हैं कि उन्हें अफिरका की सुरक्षा के लिए ग्रीनलैंड चाहिए। ऐसे में केटी मिलर की तरफ से आ रहे ऐसे आपतिनाक मेरेंव खत नातीना है।

रेयर अर्थ पर नजर । ट्रंप पूरी दुनिया को एक कावेरा की नजर से देख रहे हैं। उन्हें वेनेजुएला चाहिए, क्योंकि वहां तेल के भंडार हैं और ग्रीनलैंड चाहिए, क्योंकि वहां रेयर अर्थ का खजाना है। यही एक चीज है, जिससे अफिरका को चीन के साथ डेट्र बंध में टिकने नहीं दिख। फिलहाल साल जब ट्रंप ने टैक्स बढ़ाया, तो चीन ने जवाब में रेयर अर्थ मिनरल्स की सलाई रोक दी थी। थक-हाकर अफिरका को वार्ता की मेज पर आना पड़ा। आज दुनिया की जरूरत का 90% रेयर अर्थ चीन से आता है और अफिरका की टेक-ओटो-डिफेंस इंडस्ट्री इसकी फोताता है।

देसलौ को नुकसान । ट्रंप इसे लेकर चीन का दबाव कम करना चाहते हैं, लेकिन चेट अपने सांख्यिकों को पढ़कर यह कह रहा सता संगालेनी ही उन्होंने पडोसई कनाडा को अफिरका का एक राज्य बनाने की इच्छा जहिर की थी। फिर यूरोप को लेकर नफिज बदली जिस डेनमार्क को लेकर उनका स्टॉफ आक्रमकता दिखा रहा है, वह खुद नेटो का सदस्य है और अफिरका की जिम्मेदारी है उसकी सुरक्षा करना।

दांव पर सख । इस तरह के मेरेंव केवल वार्ता तक सीमित नहीं रहते, उनका हाथ कर्तनिक असर पड़ता है। अफिरका वह नैतिकता खोत जा रहा है, जिससे रूस को यूक्रेन में और चीन को ताइवान के विलय से रोके।

ऐवें कुछ भी

कहानियों की दुकान

कहते हैं दुनिया में कुल 7 कहानियां हैं। इन्हीं को घुमा फिसकर, तमाम कवितवें, कथाएं, उपन्यास, नाटक, फिल्में, वेबसीरीज बनाई जाती हैं। मिडल क्लास की जिंदगी में तो सायब इतनी वैगवटी भी नहीं है। नौकरों, शादी, माहौल, नौबारी का इतने में ही दि एंड हो जाता है। इसलिए नए विषय की खोज में लोग कहानियां, मसालों में जाते थे। आजकल चय की टपरी और नाई की दुकानों की काम कर रही है।

हमने भी सलीम भाई को कल कलके पूछा, आ जाए भाई? और उनकी दुकान पर पहुंच गए। यहां कहानियां और पात्र बिखरे पड़े होते हैं। नंबर आने में टापडमा का। एक दुर्जन टापडम करिण के बाद मलिकत कराव रहे थे। हम वेच पर डेट गए। इतने में दरवाजा खुल, रौनक दुकान की चीन दुकान में घुसी। टपडम केश शरीर लेकिन बने पूरी दुनिया जगान की। आगे ही वह कुर्सी पर बैठे एक शख्स के गले लगे, सलीम भाई को पहलवान कहकर ठेसा, उनके अरिस्टट से पूछा कल कल में यूरो कैसे थे? हमें फकलते हुए हमारी बाल में बैठ गए।

फिर चालू हुआ उनका ऑल इंडिय रेडियो। पता चला कि उन्होंने जिंदगी में अब तक केवल चार बार शादी कइया है। एक बार जब बाबू जी का एक बार जब अग्रामा पनी, एक बार शादी के टापडम, चौथी बार का बताना नहीं। फिर चहके कि सलीमभाई खोरी के जंगल में जूरी की तल टापडम पर पड़े हैं जो दिन-रत गत लगाना करते हैं। पलसे एक दमई मिल गया।

किन्ती ने पूछा, आपने राइफल बेच दी? तो बताना, मजबूरी में डबल बैरल सैरेंडर करी। एक अग्रामी के नाम 3 से ज्यादा असलौ हो नहीं सकते। डीएस साबब कह रहे थे कि घर में ही किन्ती के नाम टोसफर कर डीजल। लेकिन नई पीढ़ी नापुसद है, केवल पक्की में राइफल चलना चाहती है। उनकी कमाई चलती रही। हमने पूछा, आप शिकारी कोई हैं कइ, पता चला स्पेड्स टीचर थे लेकिन ये सब खेल ज्यादा करते थे। कहानियां अंतन थी, हम सैलून का दरवाजा खोलकर बाहर निकल आए।

बोल वचन

दिलीप लाल

चावल फाटक दो

रसोईघर से लेकर जहलान तक एक शब्द समान रूप से इस्तेमाल में आता है, फटकना। सुघ या थाली में अनाज रखकर उसमें से कंकड़, भुसा या अन्य कचरा अलग करनी हो तो कहते हैं - फटक दो।

है - फटक कर सफा कर दो। भारत के कई क्षेत्रों में यही काम झकना या झकना कहलाता है। शादी की रचना का भार ध्वनि के आवाज पर होती है। जैसे सभ-सभ कहते ही पाकल की आवाज का बोध होने लगता है। भावा जगह है कि अनाज फटकते समय धुंधिल से निकलने वाली धुन-धुन की ध्वनि से ही झकना शब्द बना होगा। संस्कृति में सुघ से अनाज को फटकने के लिए 'शुणें उदोणण' कहा जाता है। गान्गा भाषा में 'आमि गोम पाडारस' (मैं में फूट चुकी)। यूगमंड के कुछ इलाकों, विशेषकर पिछौरा फुड की सोबलई खोती में इसे फटकना लगाना कहा जाता है, जहां सुघ या कपड़े की सहायता से हवा लेकर अनाज साफ किया जाता है। उदा. प्रदेश के कुछ क्षेत्रों में यही शब्द फोडना बन जाता है। जहलान में जब किन्ती का भूँट को हवा की मूडद से सफा करते हैं। यह एक प्रक्रिया को आंखना कहते हैं। दिलसप है कि आसपास पड़सुने या पडसुने को भी फटकना कहते हैं - दोबरा मेरी गली में पडत फटकना।

अमेरिकी अभियान के नैतिक पहलुओं पर चर्चा के बजाय नई दिल्ली को अपना हित देखना चाहिए वेनेजुएला पर बहस में न उलझे भारत

वेनेजुएला में सत्ता परिवर्तन के लिए अमेरिका ने गजब की ताकत दिखाई। यह अप्रेशन एक तरह से नए शीत युद्ध की पहचान बन गया है।

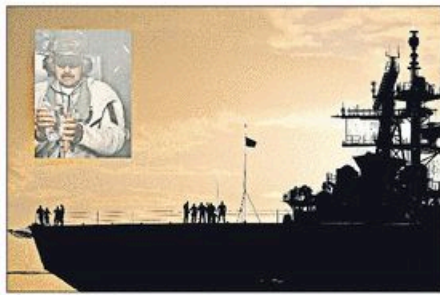
पुर्नो शीत युद्ध में महासंयुक्त वैवाहिक और भौगोलिक, दोनों तरह से अपने-अपने इलाके तय करती थीं। इसके लिहा सत्ता परिवर्तन जैसे खेल करण जाने थे। अब वेनेजुएला के जरिये अफिरका ने नए शीत युद्ध के प्रतिद्वंद्वियों - रूस और चीन को खुली चुनौती दी है।

आयत में विविधता । इस मामले में कुछ नैतिक सवाल जरूर परेशान करते हैं, लेकिन अगर उनकी अलग रख दें तो वेनेजुएला की मौजूदा स्थिति कुछ हद तक भारत के लिए अच्छी खबर होती चाहिए। अफिरका अगर वेनेजुएला पर नियंत्रण करत है और वहां के तेल पर लगे प्रतिबंध हटते हैं, तो इससे San Cristobal और Carabobo-1 तेल क्षेत्रों से जुड़े लगाना 1 अरब डॉलर के बकाये का भुगतान हो सकता है। इन तेल क्षेत्रों में ONGC Videos Ltd की हिस्सेदारी है। यह भारत की प्रमुख विदेशी तेल कंपनी है।

सधा ही, भारत को कूड ऑफिल मिल सकता है, जिससे तेल आयात को लेकर कुछ ही देशों पर निर्भरता खत्म होगी।

संश्ल रिफाइनरी । अनुमान के मुताबिक, वेनेजुएला में 300 अरब बैरल से ज्यादा तेल मौजूद है, दुनिया की कुल सलाई का करीब 17%। हालांकि यह हेवी कूड है। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जो ऐसे कूड ऑफिल को रिफाइन कर सकता है। 2019 तक वेनेजुएला के बड़े तेल खरीदने में भारत भी शामिल था। तब हर दिन तीन से चार सला बैरल तेल वहां से आता था, लेकिन अफिरका प्रतिबंधों के चलते आयात लगाना बंद हो गया।

खरीद में समझदारी । दुनियाभर से कूड ऑफिल खरीदने के पाप्यों में भारत ने बहुत समझदारी दिखाई है। एक बार जब वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंध हटेंगे और



भारत का फायदा । ग्लोबल ऑयल सलाई बढ़गी, तो लाभ पडेगे। आयात में भारत के पास होंगे ज्यादा विकल्प। चीन का वेनेजुएला पर असर कम हो सकता है।

संश्ल रिफाइनरी । अनुमान के मुताबिक, वेनेजुएला में 300 अरब बैरल से ज्यादा तेल मौजूद है, दुनिया की कुल सलाई का करीब 17%। हालांकि यह हेवी कूड है। भारत उन गिने-चुने देशों में है, जो ऐसे कूड ऑफिल को रिफाइन कर सकता है। 2019 तक वेनेजुएला के बड़े तेल खरीदने में भारत भी शामिल था। तब हर दिन तीन से चार सला बैरल तेल वहां से आता था, लेकिन अफिरका प्रतिबंधों के चलते आयात लगाना बंद हो गया।

खरीद में समझदारी । दुनियाभर से कूड ऑफिल खरीदने के पाप्यों में भारत ने बहुत समझदारी दिखाई है। एक बार जब वेनेजुएला पर लगे प्रतिबंध हटेंगे और

कांटे की बात

राष्ट्रपति ट्रंप, हम लोग और हमारा क्षेत्र शांति और वार्ता के हवादार हैं, युद्ध के नहीं। हमारा से राष्ट्रपति निकोलस मादुरो का यही संदेश रहा है। संघर्षता, शांति, विकास और बेहतर जीवन वेनेजुएला का अधिकार है।



डेलुसी रोजीरेज, कार्यवाहक राष्ट्रपति, वेनेजुएला

मशीनों के टीचर के रोल में आ रही मशीनें

Meta ने Self-Play SWE-RL (SSR) नाम का ऐसा सिस्टम लॉन्च किया है, जो खुद AI को कोडिंग सिखा रहा है। अगर यह सिस्टम सफल हुआ तो भविष्य में प्रोग्रामिंग एजुकेशन और सॉफ्टवेयर इंस्टाली - दोनों पर असर होगा। तब कौड लिखना और सुधारना इंसानी काम नहीं, AI की दुनियादी क्षमता बन जाएगा।



AI की दुनिया । Meta ने Self-Play SWE-RL (SSR) नाम का ऐसा सिस्टम लॉन्च किया है, जो खुद AI को कोडिंग सिखा रहा है। अगर यह सिस्टम सफल हुआ तो भविष्य में प्रोग्रामिंग एजुकेशन और सॉफ्टवेयर इंस्टाली - दोनों पर असर होगा। तब कौड लिखना और सुधारना इंसानी काम नहीं, AI की दुनियादी क्षमता बन जाएगा।

वहां का ऑफिल ईसाइकवर दोबरा शुरू होगा, तब भारतीय कंपनियों खरीद की रफ्तार बढ़ा सकती है। यह कॉजिए कि JCPOA डील के जरिये 2015 में जब ईरान के तेल प्रतिबंधों में ढील दी गई थी, तो भारत ने तेजी से उससे कूड ऑफिल खरीदना शुरू कर दिया था।

लाभ की उम्मीद । वेनेजुएला से तेल आपूर्ति शुरू होने पर भारत को तुरंत ते फायदे मिलेंगे ही, तबे वक्त में शांघात स्तर पर भी लाभ मिलने की उम्मीद है।

● वेनेजुएला से आपूर्ति शुरू होने के बाद भारतीय रिफाइनरियों के फास ज्यादा विकल्प होंगे। भारत के साथ डेट्र डील में यही बात अफिरका को सबसे ज्यादा चुन रही है।

● तेल की कीमतों पर तबे समय तक इस घटनाक्रम का असर दिख सकता है। तमाम आर्थिकीयों के डटत ऑफिल पावर में यूक्रेन, गावा, सलाय, ईरान कैंची बढ़ी भू-जननीतिक घटनाओं को भी डील लिखा। अब जब अफिरका अरुम प्राकृतिक संसाधनों और टेक्नोलॉजी सलाई सेन को सुर्धित करने की कोशिश कर रहा है, तब वेनेजुएला के तेल भंडार पर उसका नियंत्रण दूसरे तेल उदादकों, खासकर पश्चिम एशिया के लिए एक संदेश है।

● कम पांग और भरपूर आपूर्ति से फिल्टर 12-18 महीनों में तेल की कीमत नीचे चली हुई है। वेनेजुएला से सलाई शुरू होने के बाद भी लाभ नीचे ही खने चाहिए। यह भारत के लिए अच्छी खबर होगी।

● पुर्नो शीत युद्ध में अफिरका की जीत का बड़ा कारण तबे समय तक तेल की कीमतों का कम रहना था। इससे संविकस संघ की आर्थिकस्थिति कमजोर हुई। आज भी रूस बहुत हद तेल पर निर्भर है। कूड ऑफिल के दाप पडते हैं, ते उसकी कमाई भी घटेगी और उस पर पश्चिम के साथ समझौता करने का दबाव बढ़ेगा। रूस का सहायन होना भारत के लिए अच्छा है। इससे रूस की चीन पर निर्भरता कम होगी और पश्चिम के साथ नई दिल्ली के रिश्ते से पश्चिम को चिढ़ भी नहीं होगी।

● चीन ने कर्ज के बदले वेनेजुएला से कच्चा तेल हासिल किया था। अफिरकी प्रभाव बढ़ने के बाद वेनेजुएला की नई सरकार पुर्नो वेनेजुएला को लेकर फिर से बातचीत कर सकती है। इससे भारत के लिए भी सलाई कॉन्ट्रैक्ट हासिल करने का सता खुल जाएगा।

डिबेट से दूर । आने वाले दिनों में अफिरकी अभियान के नैतिक पहलुओं के काफी बहस देखने को मिलेंगी। भारत के हित में यही है कि वह ऐसे डिबेट से दूर रहे। अच्छी बात है कि वेनेजुएला में भारत के पुर्नो ज्यनैतिक हित नहीं है। उसके ज्यादा हित जुड़े हैं अफिरका से।

(लेखक एक असेट और वेल्थ मैनेजमेंट फर्म में चीफ इन्वेस्टमेंट ऑफिसर हैं।)

सॉफ्टवेयर इंजीनियर का काम । SSR सिस्टम इंसानी डेटा या GitHub रिपॉजिटरी पर मिर्भर हुए किना खुद से कोड बनाता है, उसमें बग डालता है और फिर खुद ही उस बग को सुधारता है। इससे सॉफ्टवेयर डिवेलपमेंट की प्रक्रिया तेज और सटीक बनेगी। इससे कॉम्प्लेक्स बड़े प्रोमाने पर सफेक लॉगिन एप्लेटस बन सकेगी, जो बग, टेस्टिंग, डिबैगिंग जैसे काम खुद ही सलंभेंगे।

खुद तलाशाता है समाधान । अब तक AI कोडिंग एप्लेटस इंसानी के लिखे डेटा पर ट्रेन होते थे। इन की क्षमता सीमित होती थी, क्योंकि मॉडल अपनी उदाहरणों से सीखता, जे पहले से मौजूद है। SSR इस निर्भरता को खत्म करता है। यह सिस्टम खुद नई समस्याएं खोजता है और खुद समाधान प्रस्तावता है। Verified टेस्ट में इंसाने उन इंसानी से बेहतर प्रदर्शन किया। - प्रदीप शिवारी



देशभर में हैं पेयजल से जुड़ी बड़ी चुनौतियां

भारत का सबसे स्वच्छ शहर इंदौर अभी गंभीर दुष्टिन पानी संकट का सामना कर रहा है। शहर के इलाके में नल के पानी में गंदगी और सांवेरच फिसा पानी पीने से सैकड़ों लोग बीमार पड़े और कई की मौत हो गई। यह सिर्फ इंदौर का सार्वभ्य स्थिति नहीं है, बल्कि पूरे देश में जल गुणवत्ता, जल प्रबंधन और नागरिक सुरक्षा

तंत्र की मजबूती पर प्रश्नचिह्न हैं। **मिथानी अमियान** । राजधानी दिल्ली सहित उत्तर प्रदेश, बिहार, महाराष्ट्र, पश्चिम बंगाल, हरियाणा, पंजाब सहित कई राज्यों में प्रदूषित पानी की समस्या से निपटने के लिए राज्य और केंद्र सरकारें मिलकर काम कर सकती हैं। दिल्ली में गर्मियों में पानी की कमी हो रही, बल्कि गुणवत्ता की समस्या भी बढ़ी चुनौती है। इसका कारण यमुना का प्रदूषण और कचरा का अस्थिर खेत जंगल और पुरानी आपूर्ति नेटवर्क का संवेर से मिल जाने का जेडिम है। इसके अलावा, पानी की निश्चित गुणवत्ता जांच भी नहीं की जाती। आपूर्ति होती है।

पुरानी षाटपलान । दिल्ली का पने का पानी मुख्यतः यमुना से आता है। कई रिपोर्ट में कहा गया है कि यमुना के पानी में अमोनिया जैसे प्रदूषक स्तर अधिक हैं। इसलिए उपचार के बाद भी आपूर्ति की गुणवत्ता फावित होती है। कई इलाकों में 40-80 खल पुरानी षाटपलान हैं, जिससे पानी की गुणवत्ता बिगड़ रही है। सरकार ने बजट में पेयजल, स्वच्छता और जल संरचना के लिए 9,000 करोड़ रुपये दिए हैं। राशि का उपयोग नए बोरेवेल्स, षाटपलान अपग्रेड, चर्पा जल संवेचन और यमुना सलाई पर किया जाएगा।

कॉमन रूम । दिल्ली का पने का पानी मुख्यतः यमुना से आता है। कई रिपोर्ट में कहा गया है कि यमुना के पानी में अमोनिया जैसे प्रदूषक स्तर अधिक हैं। इसलिए उपचार के बाद भी आपूर्ति की गुणवत्ता फावित होती है। कई इलाकों में 40-80 खल पुरानी षाटपलान हैं, जिससे पानी की गुणवत्ता बिगड़ रही है। सरकार ने बजट में पेयजल, स्वच्छता और जल संरचना के लिए 9,000 करोड़ रुपये दिए हैं। राशि का उपयोग नए बोरेवेल्स, षाटपलान अपग्रेड, चर्पा जल संवेचन और यमुना सलाई पर किया जाएगा।

जल जीवन मिशन । केंद्र ने 2025-26 के बजट में 'जल जीवन मिशन' के लिए 67,000 करोड़ दिए। सरकार ने मिशन के लक्ष्य को 2028 तक बढ़ाया है, ताकि देश के सभी ग्रामीण घरों में नल से पानी की आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके। मिशन के लागू होने से पहले करीब 3.24 करोड़ ग्रामीण घरों में टैप फलेशना था। अब 15.5 करोड़ से अधिक घरों को नल से पानी मिल रहा है। अप्रुन खोजना 2015 में शुरू की गई। इसके तहत 4,700 से अधिक शहरी-नगर निस्थलों में षाटपलानों विकसित करता है। अप्रुन 2.0 का अग्रामित बजट लगाना 2.77 लाख करोड़ से 2.99 लाख करोड़ रुपये तक है।

पेयजल परियोजनाएं । उत्तर प्रदेश में हर घर जल से जल' योजना को तफ गहर प्रकस किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में भी 'अप्रुन' के तहत बड़ा निवेश हुआ है। मेघाल में 582 करोड़ रुपये की पेयजल योजना का शिलान्यास किया गया। इससे 3 साल में 100% पानी नेटवर्क लक्ष्य पूरा करना है। (लेखक वीरध पत्रकार हैं।)

इस बार खुद इलेक्शन नहीं लड़ंगा, कैपेन संभालने के लिए भी तो कोई हो

उत्तराखंड के पूर्व मुख्यमंत्री और वीरध कांसस नेता हरीश रायत विधानसभा चुनाव की तैयारियों में लग गए हैं। उनका कहना है कि कांग्रेस के लिए आगामी उत्तराखंड चुनाव करी या मरो की तरह है। वह अभी 70 सीटों पर फोकस बनाए रखने की बात कह रहे हैं। अर्धिता भंडारी हत्याकांड को उन्होंने बड़ा चुनाव मुद्दा बना दिया है। ऐसे सामन मुद्दे पर उनसे बात की है NBT के हेमंत राजाजी ने :

■ अर्धिता भंडारी हत्याकांड को लेकर आप लगातार न्याय की मांग करते रहे हैं। आज में चुक कहाँ हुई है?

■ आपने VIP एलजी की बात उठाई, पूर्व BJP विधायक और उनकी पत्नी का जो बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ है, उसमें जे नाम आ रहे हैं, उनकी जांच हो सरकार ऐसे लोगों की बजाना चाहती है तबकि BJP के लिए राष्ट्रीय शर्म की बात न को।

■ हाल में उत्तराखंड में नई प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गठन के बाद आपन सोशल मीडिया पर लिखा कि आपको वृध का अध्यक्ष बना दिया जाए। नाराजगी थी?



भौतर से ही जिस VIP के नाम सभने आए हैं, उनके खिलाफ FIR दर्ज की जाए, माफता CBI को सैंच बनाए और हाईकोर्ट या सुप्रीम कोर्ट के जज की निगरानी में जांच हो।

■ आपने VIP एलजी की बात उठाई, पूर्व BJP विधायक और उनकी पत्नी का जो बातचीत का ऑडियो वायरल हुआ है, उसमें जे नाम आ रहे हैं, उनकी जांच हो सरकार ऐसे लोगों की बजाना चाहती है तबकि BJP के लिए राष्ट्रीय शर्म की बात न को।

■ हाल में उत्तराखंड में नई प्रदेश कांग्रेस कमेटी के गठन के बाद आपन सोशल मीडिया पर लिखा कि आपको वृध का अध्यक्ष बना दिया जाए। नाराजगी थी?

■ आपने वृध की लड़गे अगला चुनाव? 2027 का विधानसभा चुनाव करे का मरो का चुनाव होगा। मैंने दुनो से कहा है कि मैं चुनाव लड़ंगा, खुद नहीं लड़ंगा। कैपेन संभालने के लिए भी कोई चाहिए।

■ राहुल गांधी लगातार बोट चोरी और SIR के मुद्दे उठा रहे हैं। बिहार के नतीजे कांसस के लिए संतोषजनक नहीं आए। क्या पार्टी उनकी बात से सहमत है? कुछ वर्षों से चुनाव से पहले बोट लिस्ट में नए नाम जोड़ दिए जाते हैं और ऐसे कई नाम बट दिए जाते हैं जो विपक्ष के संभावित खेडर होते हैं। यह खुले कूट चेरी है। राहुल गांधी पर इसे संगठित बोट चोरी नाम दिया।

मन को काबू में करने के लिए गाड़ियों की तरह ब्रेक जरूरी

सलिल पाण्डेय

जहां गतिशीलता है, वहां नियंत्रण भी जरूरी है - यह कहें भौतिक स्तर की गतिशीलता के बा मानसिक स्तर की। यदि मन पर नियंत्रण का विधान नहीं होता, तो दुर्घटनाओं को रोका नहीं जा सकता। वाहन चलकर डालान के अनुकर केक का इस्तेमाल करते हुए गंतय तक पहुंचता है। इसी तरह का नियंत्रण मन पर भी जरूरी है।

सबसे तेज मन ही चलता है। गोस्वामी तुलसीदास ने 'पीपल घात संरस मन डोला' चोपाई में यह स्पष्ट किया है कि जिस प्रकार हलदी-सी भी हवा चलने से पीपल के पत्ते हिलने-डुलने लगते हैं, इसी प्रकार किसी भी तरह की परिस्थितियों आती हैं, तो सबसे पहले मन पर उरकस प्रभाव पड़ता है। प्रसन्नता के क्षणों में मन उठलने लगता है, जबकि दुःख में निराशा, कुंठा से सरी अकर्म्य क्षण हो जाते हैं। जहां सवाल अनकूल होने पर मन के निरकुश होने का खतरा बन जाता है और व्यक्ति फलमानी करने लगता है, वहीं विपरीत परिस्थितियों में उन्मयसमक कार्य करने लगता है। दोनों स्थितियों संकट उदगम कर देती हैं। समाज को निश्चित करने के लिए हर देश में संविधान, नियम-कानून होते हैं। इसी तरह हर फर्म में संरम-नियम से जीने के उपाय बनाए गए हैं। इसे स्व-अनुशासन या आत्म नियंत्रण, कुंठ की कहा जा सकता है।

समयपू में हरिष्कंधश्रय, वेत्ता में गुणय बा धापर में दुर्घोषन - समने आत्म नियंत्रण को दिख, जिससे उनका उदाहरण निंदनीय कार्य के लिएदिख जाता है। चिंतन-मनन की शक्ति से कुनत मनय को स्वविके से ही सही कार्य करना चाहिए।

समाज में जो जिम्मेदार माने जाते हैं, उन्हें कानून का भय दिखाकर समझना पड़े, तब ते वह उचित नहीं कहलाएगा। हर व्यक्ति का मन मलत-सही के बारे में बताना रहता है, लेकिन आत्म नियंत्रण न होने से वह संकट में पड़ता है। इसलिए हर किस्म के खुद अपने जीवन का संविधान बनाएं। फलतः अध्ययन ते की हो कि जिस कार्य से खुद को कष्ट मिले, वह कार्य दूसरों के साथ न करें। ऐसी छोटी-छोटी सावधानियों पर अमल कर व्यक्ति निश्चित जीवन जी सकता है।

रीडर्स मेल

अमेरिका और शांति

अमेरिकी राष्ट्रपति डॉनल्ड ट्रंप ने पूरी दुनिया को तीसरे विश्वयुद्ध के मुहूर्ते पर खड़ा कर दिया है। माना जा रहा है कि वेनेजुएला पर भीषण हमला कर अफिरका अब काल के बड़े तेल पंडरा को अपने आपिधत्व में लेना चाहता है। अफिरका ने वेनेजुएला के राष्ट्रपति मादुरो और उनकी पत्नी को भी गिरफ्तार कर लिखा है। कहा जा रहा है कि सत्ता परिवर्तन कर अफिरका अपना अधिकार प्रमाण चाह रहा है। स्थिति गंभीर हुई, ते आपस में कई संदेश का दबाव निश्चित है।

-संजय डागा, ईमेल से

readersmail.nbt@gmail.com पर अपनी राय नाम-पते के साथ मेल करें।

आपने वृध की लड़गे अगला चुनाव? 2027 का विधानसभा चुनाव करे का मरो का चुनाव होगा। मैंने दुनो से कहा है कि मैं चुनाव लड़ंगा, खुद नहीं लड़ंगा। कैपेन संभालने के लिए भी कोई चाहिए।

राहुल गांधी लगातार बोट चोरी और SIR के मुद्दे उठा रहे हैं। बिहार के नतीजे कांसस के लिए संतोषजनक नहीं आए। क्या पार्टी उनकी बात से सहमत है? कुछ वर्षों से चुनाव से पहले बोट लिस्ट में नए नाम जोड़ दिए जाते हैं और ऐसे कई नाम बट दिए जाते हैं जो विपक्ष के संभावित खेडर होते हैं। यह खुले कूट चेरी है। राहुल गांधी पर इसे संगठित बोट चोरी नाम दिया।

अथिया शेड्डी के नाम पर करोड़ों की टगी

मुंबई की अश्वेली पुलिस ने 1.41 करोड़ रुपया की तस्करी के मामले में तीन लोगों के विरुद्ध मामला दर्ज किया है। आरोप है कि इनमें से एक अश्वेली में अथिया शेड्डी के जाली ब्रांड बनाए और अंतराष्ट्र जखरी के नाम से एक फर्नीटिमेंट आईटी ब्रानकर इस योजनाची की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, जनवरी 2024 में एक आरोपी ने एक कंपनी के ईमेल का ठगवोचक कर अथिया के नाम पर एक जुलाई में 40 लाख रुपया की वित्तपन टील की। इसके लिए उसने एक फर्नीटिमेंट पर अथिया शेड्डी के जाली माइल किए और जुलाई में 15 लाख रुपया फर्नीटिमेंट और केपल गल्ले से जुड़ा एक फर्नीटिमेंट इस इन्वेंस्टी में वितर करवा बा।

NOTE :-

[: राजस्थान पत्रिका , दैनिक जागरण delhi, नवभारत टाइम्स delhi, अमर उजाला delhi, हिन्दुस्तान delhi, Pioneer hindi delhi, जनसत्ता delhi,]

English NEWSPAPERS

[Times Of India delhi, Indian Express delhi, The Hindu delhi, Financial Express delhi, economic times delhi , the Pioneer english delhi , the tribune delhi] ETC.

We are providing all news paper pdf hindi and English want to read daily newspapers by pdf please msg me on telegram

2. आकाशवाणी (AUDIO)

whatsapp Group ka link pane ke liye
Newspaper_pdf_bot par jaye.

Click here to contact:- https://t.me/Newspaper_pdf_bot

Or type in Search box of Telegram

@Newspaper_pdf_bot And you will find a channel

BACKUP GROUP LINK

<https://t.me/joinchat/5P9EL1JaQoYzNTI1>

Hindi-English News Paper

Website:- onlineftp.in